त्रैमासिक रिपोर्ट
अप्रैल 2011 से जून 2011 तक

उत्तर प्रदेश के चन्दौली जनपद जिसकी जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 1,639,777 है। जिसमें शिक्षा का स्तर 63.09 प्रतिशत है। इस जनपद में 3 तहसील और 9 विकास खण्ड है। यह जिला सरकार द्वारा घोषित नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। जिसमें चकिया तहसील के 3 ब्लाक शहाबगंज, चकिया और नौगढ़ संवेदनशील ब्लाक माने जाते हैं विशेषकर नौगढ़ अति संवेदनशील माना जाता है। सुविधाओं से वंचित, बिहार राज्य की सीमा से लगा हुआ जंगल क्षेत्र के मध्य में नौगढ़ स्थित है। नौगढ़ कैमूर पर्वत श्रृंखलाओं के मध्य में बसा हुआ है। जंगल का क्षेत्र होने के कारण गाँव का क्षेत्र फैला हुआ है। नौगढ़ में कुल 27 ग्राम पंचायतें हैं। इन 27 ग्राम पंचायतों में 111 राजस्व गाँव हैं। कई पंचायत 5 किलोमीटर के घेरे से भी अधिक में हैं। नौगढ़ विकास खण्ड मुख्यालय से गाँव के लिए रास्ते या यातायात के लिए साधन नहीं के बराबर हैं। सरकारी सुविधाएं नाम मात्र की हैं। सरकार का मापदण्ड है कि हर बच्चे के पहुँच तक स्कूल होगा लेकिन यहाँ यह सफेद हाथी बनकर रह गया है। नौगढ़ विकास खण्ड में कुल 92 प्राथमिक विद्यालय जिसमें 46 परिषदीय विद्यालय, 46 विश्व बैंक द्वारा संचालित तथा 42 उच्च माध्यमिक विद्यालय है। जो विद्यालय हैं वह भी सुचारु रुप से नहीं चलते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं में नौगढ़ मुख्यालय पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बना है लेकिन वहाँ से कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलती है इस भवन को बने हुए लगभग ढाई साल हो गया हैं। पूरे विकास खण्ड में 14 ए0एन0एम0 सेन्टर हैं लेकिन सभी सेन्टर पर ए0एन0एम0 नहीं है। नौगढ़ सरकारी अस्पताल पर वर्तमान समय में कुल 14 ए0एन0एम0, दो एच0बी0, एक स्टाफ नर्स, चार चिकित्सा अधिकारी की पोस्ट है। लेकिन मात्र दो चिकित्सा प्रभारी आते हैं। सरकारी विभाग में अधिकांश जगह खाली होने की वजह से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

कार्यक्रम-

शिक्षा-

- 8 गाँव में शिक्षा केन्द्र का संचालन।
- 5 बाल पुस्तकालय का संचालन।
- बाल मेला।

स्वास्थ्य-

- सुरक्षित मातृत्व।

संगठन-

- मजदूर किसान मोर्चा को सशक्त करना।

- महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच का गठन।
- युवाओं के संगठन को मजबूत करना।
- जिला फोरम को मजबूत करना।

गतिविधि-

शिक्षा केन्द्र-

ग्राम्या संस्थान विगत 14 वर्षो से नौगढ़ में और 6 साल से चकिया में शिक्षा केन्द्र चला रही है जिसमें नौगढ़ विकास खण्ड के 4 गाँव में प्राथमिक शिक्षा जिसमें से 2 गाँव में जूनियर स्तर तथा चकिया के 4 गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र आशा एवं गाँव के सहयोग से संचालित कर रही है। इस साल बच्चों की औसत उपस्थिति निम्न रही–

गाँव का नाम	बालक	बालिका	योग
लालतापुर– प्राइमरी	102	76	178
जूनियर	35	24	59
झुमरियां– जूनियर	40	51	91
अमदहॉ	34	20	54
बसौली	17	15	32
अल्लीपुर	14	10	24
सीताताली	29	2	31
गढ़वा	13	13	26
बैराठ	18	13	31
योग	**302**	**224**	**526**

अम्बेडकर जयन्ती-

14 अप्रैल को अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर सभी सेन्टरों पर बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा कविता, गीत, भाषण आदि प्रस्तुत किया गया साथ ही बच्चों द्वारा सामूहिक खेलों का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में अभिभावकों ने अपनी भागीदारी की तथा अपने विचारों को रखे।

अभिभावक संपर्क एवं बैठकें-

बच्चों की उपस्थिति, साफ–सफाई, उनकी पढ़ाई–लिखई एवं अन्य गतिविधियों को लेकर अभिभावकों से संपर्क करके इन समस्याओं पर चर्चा किया गया एवं अपने सुझाव भी दिये गये जिससे बच्चों की उपस्थिति में सुधार हुआ।

अभिभावकों के साथ बैठक में बच्चों के समय से नियमित विद्यालय आने, उनके घर की पढ़ाई (गृह कार्य) के सम्बन्ध में तथा वार्षिक परीक्षा को लेकर बातचीत हुई। बैठकों में शिक्षकों ने कहा कि कुछ ऐसे बच्चे हैं जो नियमित रुप से विद्यालय नहीं आते तथा जो गृह कार्य दिया

जाता है उसे भी पूरा करके नहीं लाते इस लिए ये बच्चे पढ़ने में कमजोर है। बैठकों में अभिभावकों को सुझाव दिया गया कि आप लोग नियमित रुप से बच्चों को विद्यालय भेजे तथा घर पर बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें जिससे बच्चें अपने गृह कार्य को पूरा करें। बैठक में अभिभावकों को वार्षिक परीक्षा के बारे में जानकारी दी गई साथ ही सेन्टर मरम्मत में सहयोग देने की बात हुयी जिसपर अभिभावकों ने कहा कि बास, लकड़ी व श्रम का सहयोग दिया जाएगा। बसौली केन्द्र के मरम्मत में समुदाय के लोगों ने लकड़ी व खपरा का पूरा सहयोग करके सामूहिक रुप से सेन्टर का मरम्मत किये।

शिक्षा कोर टीम की बैठक एवं शिक्षण सामग्री का निर्माण-

शिक्षा कोर टीम की बैठक में बच्चों के वार्षिक परीक्षा को लेकर बातचीत हुयी जिसमें तय किया गया कि परीक्षा 9 मई से 16 मई तक किया जाएगा। कक्षा अ, ब व 2 का प्रश्नपत्र स्वयं बनाये गए पाठ्यक्रम के आधार पर स्वयं बनाया जाएगा शेष कक्षाओं का पेपर बाजार से मंगाया जाएगा। बच्चों के सही मूल्यांकन हेतु परीक्षा के दौरान शिक्षकों का स्थानान्तरण किया जाएगा। परीक्षा के बाद सामूहिक बैठक करके अंक पत्र तैयार किया जाएगा और 21 मई को बच्चों का परीक्षा परिणाम दिया जाएगा।

बैठक में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए बातचीत हुई कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसे मानेंगे जिसके लिए एक मानक तय किया जाना चाहिए। चर्चा के दौरान निकलकर आया कि बच्चों के गुणवत्ता परक शिक्षा में–

- व्यक्तित्व का विकास।
- लिखना पढ़ना जाने (भाषा का ज्ञान)।
- व्याकरण का ज्ञान।
- भाषा के साथ–साथ भाव जुड़ा हो।
- मानसिक विकास।
- तार्किक क्षमता का विकास।
- अंक ज्ञान (अंकों के मूल्य का ज्ञान) उनका अवबोध कराना।
- इकाई दहाई की अवधारणा स्पस्ट करना।
- जोड़, घटाव, गुणा, भाग की अवधारणा स्पस्ट करना।

बैठक में यह भी तय किया गया कि इसके लिए बच्चों को जो भी पढ़ायेंगें व्यवहारिक रुप से पढ़ायेंगे। परिवेशीय वस्तुओं, चित्रों, पेड़ पौधों आदि के माध्यम से बतायेंगे। कक्षा अ, ब व 2 तक का पाठ्यक्रम बाल केन्द्रित होगा जिसमें समस्त परिवेशीय जानकारियाँ शामिल रहेंगी बच्चों का प्रतिमाह लिखित टेस्ट लिया जाएगा और प्रति तीन माह पर बच्चों का प्रमाणीकृत परीक्षण किया जाएगा साथ ही साथ बच्चों के जानकारी के स्तर का आँकलन के लिए प्रत्येक बच्चों का माहवार प्रगति चार्ट बनाया जाएगा।

विशिष्ट बच्चों में कमजोर बच्चों के लिए अतिरिक्त क्लास का संचालन करके निदानात्मक शिक्षण दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे पहले बच्चों के जानकारी के आधार पर ग्रुप बाँटा जाएगा और उनको शिक्षण सहायक सामग्री के माध्यम से पढ़ाया जाएगा जिससे बुनियादी शिक्षा मजबूत हो तथा बच्चें के जीवन के मूल्यों का विकास हो सके। इन बैठकों में

सहायक सामग्री का निर्माण भी किया गया और कक्षा अ, ब एवं कक्षा 2 तक के बच्चें का सभी विषयों का पाठ्यक्रम भी बनाया गया पूरे पाठ्यक्रम को छः माह , तीन माह एवं एक माह में विभाजित किया गया और तय किया गया कि इसी कार्ययोजना के अनुसार पढ़ाया जायेगा।

बच्चों का वार्षिक परीक्षा-

सभी केन्द्रों के बच्चों का वार्षिक परीक्षा 9 मई से 16 मई तक किया गया परीक्षा में बच्चों का मूल्यांकन सही हो एवं शिक्षकों को एक दूसरे केन्द्र के बारे में जानकारी हो इस उद्देश्य से परीक्षा के दौरान शिक्षकों का स्थानान्तरण किया गया था। चकिया ब्लाक के केन्द्रों के शिक्षकों को यथावत रखा गया। प्रत्येक केन्द्र के लिए परीक्षा के दौरान एक शिक्षक को परीक्षा कराने की पूरी जिम्मेदारी दी गई जिससे परीक्षा ठीक से संपन्न हो सके।
परीक्षा हेतु ग्रुप अ, ब एवं कक्षा दो के बच्चों का प्रश्नपत्र स्वयं पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के आधार पर बनाया गया और कक्षा 3 से उपर के बच्चों का प्रश्नपत्र बाजार से मंगाया गया। परीक्षा से एक दिन पूर्व 8 मई को सभी शिक्षकों के साथ बैठक करके शिक्षकों के स्थानान्तरण के आधार पर पेपर कापी दिया गया परीक्षा के दौरान शिक्षकों ने अपनी जिम्मेदारी के आधार पर कापियों का मूल्यांकन भी किये परीक्षा बाद 19 मई को शिक्षकों के साथ बैठक की गई जिसमें सामूहिक रुप से अंकपत्र तैयार किया गया और 21 मई को परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

कक्षा 5 व 8 पास किये बच्चों की संख्या-

क्र0स0	कक्षा	सेन्टर का नाम	बालक	बलिका
1	कक्षा 5	चिराग केन्द्र लालतापुर	10	17
2		चिराग केन्द्र अमदहां		1
3		चिराग केन्द्र सीताताली	4	1
	योग		14	19
4	कक्षा 8	चिराग केन्द्र लालतापुर	10	9
5		चिराग केन्द्र झुमरियां	10	22
	योग		20	31

कार्यक्षेत्र गाँवों का सर्वे-

22 मई से 30 मई तक कार्यक्षेत्र गाँवों का सर्वे किया गया सर्वे के दौरान देखने का प्रयास किया गया कि नौगढ़ की स्थिति क्या है। इस सर्वे में परिवार की पूरी जानकारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, मनरेगा में काम की स्थिति, जमीन की स्थिति आदि तथ्यों की जानकारी ली गई इसके बाद सर्वे से निकले तथ्यों का टेबुलेशन किया गया।

स्वास्थ्य-

संस्था द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता के अन्तर्गत सेन्टरों में बच्चों के साफ—सफाई तथा होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के साथ ही साथ अधिकार के बारे मे बताया गया कि सरकार के तरफ से जननी सुरक्षा योजना तथा मातृत्व लाभ योजना चलाई जा रही है। संस्थागत प्रसव करवाने पर 1400 रु0 मिलता है वैसे ही

सरकार गर्भवती महिलाओं को कुपोषण से निजात दिलाने के लिए प्रत्येक गर्भवती महिला को गर्भवस्था के दौरान 6 माह तक 1000 रु0 देगी। यह पैसा आप गर्भवती महिलाओं के खाते में सीधे देने की बात सरकार द्वारा कही जा रही है। जब यह योजना पूरी तरह से लागू हो जाएगा ता आप महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी जैसे–

- कौन महिला गर्भवती है।
- खाता खुला हैं कि नहीं।
- पैसा आ रहा है कि नहीं

इस योजना में आप लोगों को जैसे आंगनबाड़ी, मिड डे मिल, आशा, ए0एन0एम0, अन्टाइडफन्ड आदि पर निगरानी रखने का कार्य करती है ठीक वैसे ही इस योजना पर भी निगरानी रखना होगा तभी सही और पात्र महिला को इसका लाभ मिल पाएगा।

नौगढ़ में पिछले 5 साल से महिलाओं का संगठन **महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच** का गठन हुआ है गठन होने के बाद महिलाएं, ए0एन0एम0, मीड डे मिल, कोटेदार पर नजर, आंगनबाड़ी पर नजर, आशा के कार्य, अन्टाइड फन्ड का पैसा आ रहा है तो कहां खर्च हो रहा इसके बारे में सर्वे करके जानकारी करने का प्रयास की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली उस पर नजर भी रख रही है, प्रत्येक राजस्व गाँव पर 10 हजार आ रहा है वह पैसा कहा जा रहा है इसके बारे में आप लोगों ने पंचायत से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से भी जानकारी करने का प्रयास किया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इन सबके लिए इस संगठन को आगे आना होगा तभी इसमें कुछ सुधार हो सकता है और सही ढंग से लाभर्थियों को इसका लाभ मिल पाएगा अन्यथा जैसे जननी सुरक्षा योजना का पैसा पहले नहीं मिलता वैसे ही इन योजनाओं का लाभ भी लोगों तक नहीं पहुच पाएगा।

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच को और मजबूत करने के लिए संख्या बढ़ाने पर बात किया गया इस समय इस संगठन में नौगढ़ व चकिया ब्लाक मिलाकर कुल **957** महिलाएं सदस्य है जो अपने हक व अधिकार के लिए समय–समय पर आवाज उठाती है। राज्य स्तर पर इस संगठन में कुल 12 हजार महिलाएं इस मंच की सदस्य है।

आंगनबाड़ी केन्द्रों का सर्वे-

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की लीडर महिलाओं द्वारा 5 आंगनबाडी केन्द्रों **(हनुमानपुर, झुमरियां, भगेलपुर, मझगाई, बसौली)** का सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान निकल कर आया कि कोई भी आंगनबाड़ी कार्यकत्री प्रतिवर्ष सर्वे नहीं करती है, आशाओं से आकड़ा लेकर उसी के आधार पर महिलाओं, किशोरियों व धात्री को चिन्हित करके मनमाने तरीके से पोषाहार का वितरण करती है। सर्वे से निकले तथ्यों को **27 मई** को **महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच** की लीडर महिलाओं ने **अन्तर्राष्ट्रीय महिला कार्य दिवस** के अवसर पर राज्य स्तर के सम्मेलन में बालविकास परियोजना विभाग के सामने रखी और अपने–अपने जिले की समस्या को बताई। इस सम्मेलन में ग्राम्या संस्थान से 8 महिलाओं ने भागीदारी की थी।

युवाओं के साथ बैठक-

ग्राम्या संस्थान पिछले 4 साल से नौगढ़ में (**परिवर्तन में युवाओं**) युवाओं के प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार को लेकर प्रतिमाह समुदाय स्तर बने **9 समूह** के साथ बैठक करती है। माह के

पहले या दूसरे सप्ताह में पी0ए0जी0 व नेताओं के साथ रविवार को बैठक किया जाता है तथा 12 तारीख से 20 तारीख तक युवा समूहों के साथ बैठक किया जाता है।

बैठक में युवाओं द्वारा गाँव स्तर की समस्याओं पर चर्चा किया जाता है समूह द्वारा जो भी निर्णय लिया जाता है उसपर युवाओं द्वारा कदम उठाया जाता है। इस समूह में 94 लड़के व 93 लड़कियां है। इस पूरे कार्यक्रम के संचालन के लिए ब्लाक स्तर पर **कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी0ए0जी0)** का गठन किया गया है यह समिति गाँव स्तर से निकली समस्याओं पर चर्चा करके ठोस रणनीति बनाकर कदम उठाने का निर्णय लेते है जिसे सभी युवा समूह मानते है। प्रत्येक समूह से एक लड़का व एक लड़की का चयन समूह की नेता के रुप में किया गया है जो पूरे कार्यक्रम की निगरानी करते है।

प्रतिमाह होने वाली बैठक में युवाओं द्वारा निम्न मुद्दों पर चर्चा किया गया–

- सूचना के अधिकार में पी0डी0एस0, सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से सूचना लेने हेतु डाले गए आवेदन पर चर्चा।
- ग्राम पंचायतों में बनी छः समितियों के बारे में जानकारी लेना।
- जिला स्तरीय युवा नेता के चयन पर चर्चा।
- 25 अप्रैल से 3 मई तक युवाओं द्वारा पानी संस्था के गाँवों में पपेट शो करने पर चर्चा।
- 28 व 29 अप्रैल को जिला स्तरीय 3 नेता का चुनाव पर चर्चा।
- फिल्म बनाने पर चर्चा।
- नैनीताल शैक्षिणिक भ्रमण पर चर्चा।

वर्तमान समय में परिवर्तन में युवा कार्यक्रम के जिला स्तर पर निगरानी रखने हेतु 3 युवा नेता का चयन किया गया ये युवा नेता है–

- **उमेश कुमार**
- **साबिया खातून**
- **शिवानन्द**

गाँव स्तर पर निकली समस्या को समूह के नेता पी0ए0जी0 के बैठक में रखते हैं। पी0ए0जी0 सदस्यों द्वारा जो भी सलाह या निर्णय लिया जाएगा उसकी चर्चा जिला स्तर पर चयनित युवाओं से किया जाता है। मुद्दे को आगे ले जाने का कार्य ये जिला स्तर के 3 नेता सभी के सहयोग से अलग–अलग सेवा प्रदाताओं से मिलकर सामूहिक आवाज उठाते है।

परिवर्तन में युवा कार्यक्रम 10 जिला के 11 साथी संस्थाओं के साथ चलाया जा रहा है जिसमें वर्तमान समय में लगभग 2000 युवा सदस्य के रुप में है उसी में से 30 जिला स्तरीय युवा नेता का चयन हुआ है जो समस्याओं को जिला व राज्य स्तर पर लेकर जाएगें।

पी0 ए0जी0 के बैठक में युवाओं द्वारा तय किया गया कि इस बार के नैनीताल भ्रमण हेतु जब 3 युवाओं को जाना है तो राजेश, शिवानन्द व संध्या जाएगे। युवाओं द्वारा लिए गए निर्णय के आधार पर ये तीनों युवा जुलाई माह में नैनीताल में होने वाले 5 दिवसीय क्षमता वृद्धि कार्यशाला में भाग लेंगे।

संगठन-

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच-

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाओं के साथ प्रतिमाह होने वाली बैठकों में क्षेत्रिय समस्याओं पर चर्चा किया जाता है इस मंच में वर्तमान समय में 957 महिलाएं सदस्य के रुप में है जिसमें से 50 महिलाएं लीडर के रुप में है। बैठक में क्षेत्रिय समस्याओं पर होने वाली चर्चा से जो निकल कर आता हैं वह निम्न है–

- स्वास्थ्य का अधिकार।
- काम का अधिकार।
- पोषण का अधिकार।
- हिंसा
- अन्य सरकारी योजना।
- महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की लीडर महिलाओं का इन 5 (स्वास्थ्य का अधिकार, काम का अधिकार, पोषण का अधिकार, हिंसा, अन्य सरकारी योजना) मुद्दों पर समझ बनाने के लिए समय–समय पर सहयोग संस्था लखनऊ की मदद से क्षमता विकास किया जाता है। महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की लीडर महिलाएं व सदस्य आपस में चर्चा करके इन मुद्दों पर कदम उठाती है जैसे–
- स्कूलों में मिड डे मिल के तहत बनने वाला भोजन कैसा है अगर उसमें गड़बड़ी है तो उसकी शिकायत पहले प्रधान से फिर तहसील दिवस में आवेदन करती है।
- आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मिलने वाला पोषाहार मानक के अनुसार गर्भवती, धात्री, व किशोरी को मिल रहा है कि नहीं साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्र समय से खुल रहा हैं कि नहीं आदि सर्वे करके आंकड़ा इकठ्ठार करना व सेवा प्रदाताओं के साथ साझा करना।
- नरेगा के तहत काम नहीं मिलने पर बी0डी0ओ0 से बात करना व काम के लिए आवेदन करना साथ ही जो काम हुआ है उसका भुगतान नहीं होने पर तहसील दिवस में अप्लीकेशन देने का कार्य कर रही है।
- स्कूलों में मानक के अनुसार शिक्षक नहीं होने पर तहसील दिवस में सूचना के अधिकार के तहत आवेदन डालने का निर्णय लेना।
- शिक्षक के स्कूल नहीं आने का कारण जानने के लिए समूह में स्कूल पर जाकर शिक्षक से बात करना।

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच का गठन हुए 5 साल हो गया हैं इन 5 सालों में महिलाओं ने अपने हक व अधिकार के बारे में जानकारी ली और जानकारी लेने के बाद अपने तक सीमित न रखकर औरों के बीच में भी साझा की जिसकी वजह से अन्य गाँव जहां पर महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच नहीं है वहां कि महिलाएं भी अपने हक के लिए आवाज उठाने लगी है जैसे–

- ए0एन0एम0 द्वारा कार्ड व टीकाकरण का पैसा मांगने पर कानूनी कार्यवाई करने की चेतावनी देना।

- सी0एच0सी0 नौगढ़ पर जाकर सीधे एम0ओ0आई0सी0 से अपनी समस्या कहना।
- ए0एन0एम0 व आशा के गाँव में नहीं जाने पर सवाल खड़ा करना।
- प्रधान से मिलकर समस्याओं से अवगत कराना व सहयोग करने की बात करना।
- आवाज उठाने से सी0एच0सी0 से दवा मिलने लगा।

स्वयं सहायता समूह-

स्वयं सहायता समूह के साथ प्रतिमाह 1 तारीख से लेकर 8 तारीख तक बैठक किया जाता है बैठक में चर्चा के दौरान समूह की रणनीति बनाई जाती है तथा समूह को कैसे आगे ले जाया जाएगा इस पर चर्चा करके निर्णय लिया जाता है साथ ही अगर समूह में कोई परेशानी होती है तो उसपर विचार करके सामूहिक निर्णय लिया जाता है। महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के लिए ग्राम्या संस्थान द्वारा लगातार प्रयास जारी है महिलाओं को चर्चा के दौरान जानकारी हेतु (समूह के उद्देश्य, बचत का महत्व, समूह के नियमित बैठक, सामूहिक व व्यक्तिगत बचत से होने वाला फायदा, समूह के सदस्यों की नियमित भागीदारी, गाँव की समस्या पर चर्चा, मनरेगा, शिक्षा आदि पर) बातचीत करके एक सामूहिक सोच के तहत कार्य करने व निगरानी करने के लिए प्रेरित किया जाता है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से इन मुद्दों पर जानकारी के अलावा आर्थिक संसाधनों तक महिलाओं की इन संसाधनों तक कैसे पहुँच हो इस सोच को विकसित करने के लिए प्रतिमाह बैठक किया गया । बैठक का विवरण निम्न तालिका से स्पष्ट है–

क्र0 स0	गाँव का नाम	समूह का नाम	सदस्यों की संख्या	वर्तमान समय में समूह की आर्थिक स्थिति
1	झुमरियां नई बस्ती	चिराग स्वयं सहायता समूह	10	2613.00 रु0
2	झुमरियांएस0सी0 बस्ती	सरस्वती स्वयं सहायता समूह	10	4349.00 रु0
3	गोलाबाद	चिराग स्वयं सहायता समूह	10	4269.00 रु0
4	ठटवा	चिराग स्वयं सहायता समूह	15	3096.00 रु0
5	ठटवा	चिराग दीपक स्वयं सहायता समूह	10	2240.00 रु0
6	ठटवा	चिराग ज्योति स्वयं सहायता समूह	12	5300.00 रु0
7	बसौली	चिराग स्वयं सहायता समूह	12	2690.00 रु0
8	अमदहां	चिराग स्वयं सहायता समूह	10	4549.00 रु0
9	अमदहां	चिराग दीपक स्वयं सहायता समूह	10	5935.00 रु0
10	डुमरियां	गंगा चिराग स्वयं सहायता समूह	10	3619.00 रु0
11	नर्वदापुर	चिराग स्वयं सहायता समूह	12	13853.00 रु0
12	करवनिया	चिराग स्वयं सहायता समूह	10	35116.00 रु0

इस समूह में 12 से 15 महिलाएं सदस्य के रुप में है जो 10 रुपया से लेकर 20 रुपया प्रतिमाह जमा करती है। समूह की नियमित बैठक होने से अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को बार–बार महिलाओं को बैठक में बुलाना नहीं पड़ता हैं महिलाएं बिना बुलाएं ही बैठक में समय से आ

जाती है। बैठक में जो भी समस्या निकलकर आती है उसी के आधार पर 1 माह की कार्ययोजना के साथ ही साथ भूमिका भी तय की जाती है।

मजदूर किसान मोर्चा के साथ बैठक-

ग्राम्या संस्थान के नौगढ़ कार्यालय पर मजदूर किसान मोर्चा के सदस्यों के साथ बैठक किया जाता है। बैठक में उपस्थित नेतृत्वकारी संगठन के सदस्य मनरेगा के तहत 100 दिन के काम , मजदूरी के भुगतान में गड़बड़ी, पेंशन, स्मार्ट कार्ड, वनाधिकार कानून में हो रही मनमानी आदि पर चर्चा करके ठोस रणनीति बनाई जाती है जिसपर सभी लोग 1 माह समुदाय स्तर पर गोष्ठी करके चर्चा करने की कार्ययोजना बनाते है साथ ही जिस समस्या का निदान गोष्ठी में नहीं होने वाला होता है उसके लिए तहसील दिवस पर एक साथ आवेदन करने की भी कार्य योजना बनाते है।

नुक्कड़ नाटक-

प्रेरणा कला मंच टीम द्वारा नौगढ़ के 27 पंचायत में से 10 पंचायत तथा चकिया के 3 पंचायत में नुक्कड़ नाटक (शिक्षा, रोजगार, पंचायत सदस्यों के महत्व व भूमिका, अन्धविश्वास आदि) का आयोजन किया गया। नाटक के बाद उस पर चर्चा करके नाटक के महत्व को बताया जाता हैं। नाटक के माध्यम से समुदाय में काफी जानकारी हुई है और लोग सवाल भी खड़ा करने लगे है।

00000